DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with A Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.) - 495113
Ph.: 07753-253801 Fax: 07753-253728
E-mail: info@cvru.ac.in, visit us at: www.cvru.ac.in

क्र.242 / कु.स. / सी.व्ही.आर.यू. / 2024

बिलासपुर, दिनांक : 08.05.2024

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह अप्रैल – 2024 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल – 2024 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– अप्रैल – 2024

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) बी. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. टेक. (इलेक्ट्रिकल) बी. टेक. (मेकनिकल) बी. टेक. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.)

		मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र) एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य) एम. ए. (संस्कृत साहित्य) एम. ए. (छत्तीसगढ़ी) एम. ए. (भूगोल) एम. ए. (शिक्षा) एम. ए. (राजनीति शास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (इतिहास) एम. ए. (समाज शास्त्र) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. ललित कला बी. जे. एम. जे. फैकल्टी ऑफ साईंस बी. एस. सी. (जीवविज्ञान) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र) एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी)

		एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) <u>फैकल्टी ऑफ लॉ</u> बी.ए.एल.एल.बी बी.काम. एल.एल.बी. एल.एल.बी. एल.एल.एम. <u>फैकल्टी ऑफ फार्मेसी</u> बी. फार्मा डी. फार्मा एम. फार्मा <u>शोध पाठ्यक्रम</u>
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है। रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है।

08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं शिक्षकों की रिक्त पद हेतु माननीय आयोग को अनुमोदन हेतु विषय विशेषज्ञों की सूची प्रेषित की गई है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 01.03.2024 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा

		रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	सत्र 2023–24 के शुल्क अनुमोदन माननीय आयोग के द्वारा किया जा चुका हैं एवं सत्र 2024–25 के लिये माननीय आयोग के निर्देशानुसार शुल्क निर्धारण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जायेगी।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है एवं समय समय पर किया जाता है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	— डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के भौतिकी, रसायन शास्त्र विभाग, वाणिज्य और प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के छात्रों के लिए 01.05.2024 को ''शैक्षणिक यात्रा'' 'छत्तीसगढ़ विज्ञान केंद्र रायपुर' का किया गया। यात्रा में 6 समन्वयक संकाय सहित कुल 58 छात्र–छात्रायें शामिल हुए। इस यात्रा का आयोजन प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा श्री अमित कुमार मेश्राम, वैज्ञानिक, छत्तीसगढ़ विज्ञान केंद्र के संयुक्त सहयोग से किया गया था। विज्ञान केंद्र का दौरा करते समय छात्र 'फन साइंस गैलरी' के बारे में जाना एवं यात्रा की शुरुआत 15 मिनट की अवधि वाले होलोशो में भाग लेने वाले छात्रों के

			साथ हुई, जिसमें मानव शरीर की त्वचा से लेकर प्रजनन तक की सभी महत्वपूर्ण ग्यारह प्रणालियों की व्याख्या की गई, यह एक दिलचस्प 3डी होलोग्राफिक थिएटर है। विज्ञान केंद्र का उद्देश्य अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से शिक्षा देना है। विज्ञान केंद्र अपने दर्शकों के प्रति अधिक चौकस हैं और बातचीत और जुड़ाव के माध्यम से शिक्षा में विश्वास करते हैं। एवं विषयगत प्रदर्शनियों, इंटरैक्टिव शैक्षिक गतिविधियों और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से आगंतुकों को शामिल करना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना है। – विकसित भारत @ 2047 तथा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर आधारित क्विज प्रतिस्पर्धा, तात्कालिक भाषण स्पर्धा एवं अन्य कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा नामित NEP सारथी के द्वारा किया जा रहा है। इसी कड़ी में 1 अप्रैल 2024 को NEP सारथी अनुज कुमार सिंह, आनंद पांडे एवं प्रियंका डे के द्वारा विश्वविद्यालय के प्रमुख स्थान लाइब्रेरी, कैंटीन, हॉस्टल, विधि विभाग, मैनेजमेंट विभाग, प्रशासनिक भवन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर आधारित सेल्फी प्वाइंट लगाकर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रावधानों के बारे में जागरूक किया गया। NEP सारथी आनंद पांडे, अनूप सिंह एवं प्रियंका डे ने सेल्फी प्वाइंट के साथ फोटो खिंचवाने वाले प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में ABCID, भारतीय ज्ञान परंपरा, कौशल आधारित एवं रोजगार शिक्षा, मूल्य परक शिक्षा,

		विश्वविद्यालय में लोकपाल की नियुक्ति, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन एक साथ दो डिग्री में प्रवेश के नियम, लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन, समावेशी शिक्षा, फ्लैक्सिबल लर्निंग (मल्टीप्ल एंट्री एवं मल्टीप्ल एग्जिट) आदि प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई। – विकसित भारत @ 2047 आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 2 अप्रैल 2024 को डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय एवं प्रेम रावत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में "विकसित भारत खुशहाल नागरिक" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित श्री अनूप अग्रवाल जी, स्वयंसेवक शांति शिक्षा कार्यक्रम, प्रेम रावत फाउंडेशन ने प्रतिभागियों से खुशी और खुशी के लिए अपने जुनून को याद दिलाने के लिए कहा। उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तनाव प्रबंधन, सकारात्मकता, उत्साह, जोश, समय प्रबंधन, खुशहाल जीवन आदि पर अपने विचार व्यक्त किये। विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित सुश्री नीलिमा रात्रे, स्वयंसेवक सहायक शांति शिक्षा कार्यक्रम, प्रेम रावत फाउंडेशन ने प्रतिभागियों को प्रेम रावत फाउंडेशन के द्वारा शांति शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों को विस्तार से बताया। विद्यार्थियों ने विषय विशेषज्ञों से तनाव प्रबंधन, खुशहाल जीवन, समय प्रबंधन आदि से संबंधित प्रश्न पूछे। अंत में प्रतिभागियों से फीडबैक भी लिए गए। कार्यक्रम के सफल संचालन में रमन स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय अब

		भूटान के विद्यार्थियों को शिक्षा देगा और वहां से कला, संस्कृति का आदान प्रदान करेगा। इसके लिए डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलसचिव गौरव शुक्ला ने अपने तीन दिवसीय भूटान यात्रा में भूटान सरकार से राजधानी थीम्पू में चर्चा की। 3 अप्रैल से 6 अप्रैल तक अपनी यात्रा के दौरान श्री शुक्ला ने विभिन्न विषयों पर भूटान सरकार से चर्चा की गई। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय ऐसे देश से जुड़ने जा रहा है, जो हैप्पीनेंस इंडेक्स में पहले नंबर पर है, यानी कि दुनिया में सबसे अधिक खुश लोग भूटान में ही रहते हैं। भूटान दुनिया का पहला देश है, जहां हैप्पीनेस मंत्रालय की स्थापना की गई थी। आज के तनाव भरे जीवन में भूटान के लोगों से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। जीवन शैली और हैप्पीनेस को लेकर भी विश्वविद्यालय में आयोजन भी किए जाएंगे। इसके लिए वहां से टीम भी व्याख्यान के लिए आएगी। इस अवसर पर सरकार के प्रतिनिधि मंडल के रूप में प्रकाश प्रधान, बीडीआर सुब्बा एवं राम बी गुरुंग शामिल हुए। वहां के युवाओं को यहां शिक्षा देने और यहां के विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए एमओयू किया जाएगा। साथ ही संस्कृति के आदान प्रदान एवं आयोजन के लिए भी एमओयू किया जाएगा।
		— विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान (इतिहास) विभाग के द्वारा दिनांक 04 अप्रैल 2024 को शैक्षणिक भ्रमण हेतु छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक धरोहर के रूप में स्थित तालागांव परिक्षेत्र का भ्रमण कराया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के बी. ए. द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठम सेमेस्टर, एम. ए. चतुर्थ, षष्ठम सेमेस्टर तथा पीएचडी शोधार्थी को मिलाकर कुल 50

		छात्र छात्राएं शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रामरतन साहू जी के द्वारा छात्र–छात्राओं को तालागांव की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक मनोरम सौंदर्य जो अतीत की गौरव गाथा को बयान कर रही है उसका उल्लेख किया गया एवं साथ ही साथ 7वीं एवं 8वीं शताब्दी की प्राचीन मूर्तियों का वर्णन, देवरानी–जेठानी मंदिर, वर्ष 1987–88 में खुदाई के दौरान प्राप्त भगवान शिव की बेहद पुराने एवं अनोखी मूर्ति का वर्णन किया गया। इसके पश्चात सभी छात्र–छात्राओं को रूद्र शिव की छवि वाले मूर्तियों में किन–किन जानवरों की आकृतियो का मिश्रण किया गया है इसकी जानकारी विभाग अध्यक्ष द्वारा प्रदान की गई। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में स्थापित रेडियो रमन में दिनांक 4 अप्रैल 2024 को किसानों के हित में कार्यक्रम के रिकॉर्डिंग की गई, जिसके लिए ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी पथरिया ब्लॉक मुंगेली के श्री अंशुमन तिवारी और विकासखंड मस्तूरी कि ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी डॉक्टर निशा चंदेल उपस्थित हुए थे, जिनके द्वारा चार विषयों पर जानकारी दी गई, जिसमें उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाएं और केले की उन्नत खेती एवं महत्व के विषय में अंशुमान तिवारी ने विस्तार से जानकारी दी। डॉ निशा चंदेल ने संरक्षित खेती की आवश्यकता एवं महत्व के साथ–साथ बेल वर्गीय फसलों का प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। इन कार्यक्रमों का प्रसारण आवश्यकता अनुसार समय–समय पर रेडियो रमन से किया जा रहा है। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा इंटर्नशिप प्रोग्राम 27.3.2024 से 06.04.2024 तक आयोजित किया गया। इंटर्नशिप प्रोग्राम

		में शासकीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय सीतापुर सरगुजा के 25 छात्र – छात्राएं एवं शासकीय ई. राघवेन्द्र राव विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर के 14 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। एक्सट्रैक्शन टेक्निक ऑन मेडिसिनल प्लांट्स, विषय पर 30 छात्र–छात्राओं ने एवं मृदा विश्लेषण पर 4 तथा जल विश्लेषण पर 5 छात्र–छात्राओं ने इंटर्नशिप किया। सभी विद्यार्थियों को समापन दिवस पर कैम्पस विजिट के साथ – साथ डॉ.सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के रेडियो स्टेशन में साक्षात्कार करवाया गया। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के युग्म राज्य गुजरात के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को जानने एवं इसके प्रचार प्रसार हेतु दिनांक 8 अप्रैल से 12 अप्रैल 2024 तक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने युग्म राज्य गुजरात की कला, संस्कृति, साहित्य, पर्यटन स्थल, पारंपरिक लोकगीत, लोक नृत्य एवं ऐतिहासिक धरोहर को जाना एवं समझा। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक को एवं विद्यार्थियों ने देश की एकता एवं अखंडता के प्रतिक के रूप में बनाए गए देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित स्मारक "स्टैचू ऑफ यूनिटी" पोईचा मंदिर, पारुल विश्वविद्यालय इत्यादि का विजिट किया। – आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 9 अप्रैल से 11 अप्रैल 2024 तक पारुल विश्वविद्यालय वडोदरा गुजरात के द्वारा आयोजित "2nd AI

		National women's student parliyament 2023 – 24'' के तहत आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विधि विभाग के विद्यार्थी साक्षी सिंह, गार्गी सिंह एवं चौतन्य गुप्ता ने सहभागिता की। उक्त कार्यक्रम में देश भर के 34 विश्वविद्यालय के 102 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के साक्षी सिंह, गार्गी सिंह एवं चौतन्य गुप्ता ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीसरे राउंड में जगह बनाने में सफल हुए। आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को केंद्र सरकार के द्वारा लागू विभिन्न अधिनियम एवं बिल के विषय में पक्ष एवं विपक्ष में चर्चा करने के लिए आमंत्रित भी किया गया । डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को महिला आरक्षण अधिनियम 2023, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटक्शन विषय दिया गया था जिसमें उन्होंने बड़े प्रभावपूर्ण एवं रोचक ढंग से अपना पक्ष रखा। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में स्थापित वनमाली सृजनपीठ में दिनांक 11 अप्रैल 2024 को कथा बैठकी का आयोजन किया गया था। इस बैठकी में ''विस्थापन की संवेदनाएं'' विषय पर वक्ताओं ने कश्मीरी पंडितों के विस्थापन, बंगाल विभाजन में विस्थापन, पाकिस्तान विभाजन के दौरान हुए विस्थापन और दक्षिण तमिल विभाजन में विस्थापितों के दर्द के अनेक पहलुओं के साथ अपने विचार रखे। बैठकी में उपन्यास और यात्रा वृतान्त का पठन भी किया गया। – विकसित भारत @ 2047 तथा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 18 अप्रैल 2024 को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान – इतिहास विभाग के विद्यार्थियों को तालागाँव और मल्हार

		का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर 06 वीं शताब्दी से 11 वी शताब्दी में निर्माण किए गए मंदिरों के ऐतिहासिक महत्ता की जानकारी दी गई, यहां देवरानी–जेठानी मंदिर, गिद रूढ प्रतिमा सहित अंचल के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इसी तरह मल्हार में डिडनेश्वरी मंदिर, पातालेश्वर महादेव मंदिर, भीम कीचक मंदिर, हनुमान मंदिर के ऐतिहासिक महत्व को प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को बताया गया। — डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 18 अप्रैल 2024 को सोशल साईंस विभाग में समाज कार्य शाखा द्वारा एक आनलाईन गेस्ट लेक्चर विषय "न्यू डायमेंशन ऑफ सोशल ग्रुप वर्क" का आयोजन किया गया था। जिसमें ग्रुप में रहकर समाज कार्य किस तरह किया जाता है एवं समाज कार्य के सात मॉडलों के बारे में विस्तार से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया गया। ऑनलाईन गेस्ट लेक्चर के मुख्य वक्ता डॉ. दीनानाथ यादव जी थे जो मैट्स विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग में विभागाध्यक्ष के पद पर पदस्थ है एवं गोल्ड मेडलिस्ट है। — डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 19 अप्रैल 2024 को भारतीय सांस्कृतिक निधि के सर्वे दल ने छत्तीसगढ़ में धरोहरों की संभावनाओं को तलाशने के सिलसिल में विश्वविद्यालय के छत्तीसगढ़ के विरासत की दिशा में किए जा रहे वृहद कार्यो का अवलोकन किया गया। भारतीय सांस्कृतिक निधि के राज्य संयोजक श्री अरविंद मिश्रा के साथ श्री अशोक तिवारी मानव विज्ञानी तथा प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस रहे। रमन विश्वविद्यालय के संजोही परिसर में छत्तीसगढ़ की संस्कृति की विहंगम झांकी के साथ ही देश की सांस्कृतिकता की झलक

			दिखाई दी। प्रोफेसर आफ प्रेक्टिस श्री अशोक तिवारी के साथ भारतीय सांस्कृतिक निधि के छत्तीसगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष श्री अरविंद मिश्रा का विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो स्टेशन में साक्षात्कार किया गया। यह साक्षात्कार विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष में किया गया था, जिसमें अरविंद मिश्रा ने बताया की इंटक के द्वारा छत्तीसगढ़ की धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन किया जाता है। साथी श्रोताओं के नाम अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं भी हमारी धरोहर है और इसका संरक्षण और संवर्धन करने की जिम्मेदारी युवाओं के हाथों में होती है। – जिला प्रशासन और डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 19 अप्रैल 2024 को 'मतदाता जागरूकता कार्यक्रम' और 'सद्भावना क्रिकेट मैच' 5–5 ओवर का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर नगर निगम के आयुक्त अमित कुमार एवं बिलासपुर के जिला पंचायत सीईओ आर पी चौहान ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मतदान के लिए प्रेरित किया एवं प्राध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को मतदान की शपथ भी दिलाई। – विकसित भारत@2047 तथा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग, IQAC एवं Indian Photobiology Society के तत्वावधान द्वारा दिनांक 22 अप्रैल 2024 को विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में ई–लेक्चर आयोजित किया गया, जिसका थीम 'Planet Verses Plastic' था। प्रोग्राम में जादवपुर विश्वविद्यालय कलकत्ता एवं इंडियन फोटो बायोलॉजी के प्रेसिडेंट प्रोफेसर डॉ. नितिन चट्टोपाध्याय एक्सपर्ट के रूप में उपस्थित रहे।

		उन्होंने गूगल मीट द्वारा आनलाइन माध्यम से जुड़कर विश्व पृथ्वी दिवस में 'Attitude to Celebrate Earth day' विषय पर अपना प्रेजेंटेशन दिया एवं विद्यार्थियों से अवगत हुए। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्र–छात्राओं सहित संकाय के प्राध्यापक उपस्थित थे। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में 02 दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस दिनांक 26 अप्रैल 2024 से 27 अप्रैल 2024 का आयोजन किया गया था। यह कांफ्रेंस रिसर्च एडवांसमेंट एंड इनोवेशन इन कंम्प्यूटर साईंस एडं इनफारमेशन टेक्नोलॉजी @ विकसित भारत 2024 विषय पर आयोजित किया गया था। यह आयोजन ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों मोड में आयोजित किया गया था, जिसमें देशभर के 7 विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। इस आयोजन में देश भर के शोद्यार्थी एवं विद्यार्थी ऑनलाईन एवं ऑफलाईन मोड में शामिल हुए। – विकसित भारत @2047 एवम आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। भीषण गर्मी से पशु–पक्षियों को रक्षा के लिए पानी और अनाज की व्यवस्था की गई। विभाग ने सभी विभागों में जाकर पात्र में पानी और अनाज रखा। भाषा विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने सभी विभागों में जाकर यह संदेश भी संवेदनशीलता से दिया कि हमें प्रकृति के अन्य जीवों की रक्षा करनी चाहिए। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के आई. टी.

		एवं कंप्यूटर साइंस विभाग एवं इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं आसपास के गांव में दिनांक 29 अप्रैल 2024 से 1 मई 2024 तक तीन दिवसीय मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं आसपास के गांव कुंवारीमुडा, लखोदना, चांगोरी, पटैता, गोबरीपाट, नेवसा एवं अमने में जाकर ग्रामीणों को मतदाता के अधिकार एवं उनके कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी गई एवं उन्होंने ग्रामीणों को शत् प्रतिशत मतदान के लिए प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने उनके द्वारा बनाए गए ईवीएम मशीन के मॉडल के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया को बड़े रोचक ढंग से बताया गया। विश्वविद्यालय के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के सदस्यों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को मतदान के प्रति प्रेरित किया। – सत्र 2023–24 में शैक्षणिक गतिविधियॉं एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	– अध्यादेश का प्रकाशन संबंधी कार्य लंबित है।

कुलसचिव